# एक जिला एक व्यंजन योजना से जिलों का स्वाद बनाएगा वैश्विक पहचान

## फर्रुखाबाद की दालमोठ कानपुर का लड्डू प्रसिद्ध व्यंजनों की सूची में शामिल

मनोज त्रिपाठी • जागरण

- इसी माह मुख्यमंत्री करेंगे ओडीओसी योजना का शुभारंभ
- खानपान से संबंधित 150 उत्पादों की सूची तैयार
- निर्यात को एफएसएसएआइ से कराया जाएगा प्रमाणीकरण

**लखनऊ:** दुनिया के तमाम देशों में जल्द ही उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्रसिद्ध व्यंजनों का स्वाद अपनी पहचान बनाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) की तर्ज पर इसी माह एक जिला एक व्यंजन (ओडीओसी) योजना का शुभारंभ करेंगे। योजना के तहत वैश्विक स्तर पर हर जिले के प्रसिद्ध व्यंजनों का प्रचार किया जाएगा और उनकी आपूर्ति कराई जाएगी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग ने ओडीओसी योजना को लेकर 150 व्यंजनों की सूची तैयार की है। हर जिले से कम से कम एक-एक व्यंजन का चयन किया गया है। चयनित उत्पादों की सूची मुख्यमंत्री कार्यालय भेज दी गई है। सूत्रों के अनुसार 24 जनवरी को यूपी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योजना का शुभारंभ करेंगे।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश दिवस के मौके पर 24 जनवरी 2018 को ओडीओपी योजना का शुभारंभ किया था। निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023-24 में राज्य से 1.70 लाख करोड़ रुपये का निर्यात किया गया था, इसमें 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी ओडीओपी उत्पादों की थी। ओडीओपी योजना की सफलता से उत्साहित होकर एमएसएमई विभाग ने ओडीओसी योजना का खाका खींचा है। ओडीओसी योजना में शामिल उत्पादों को सरकार भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) से प्रमाणित कराएगी, जिससे विदेशों में इन उत्पादों की बिक्री को लेकर कोई समस्या नहीं आएगी। उत्पादों की जीआइ (भौगोलिक संकेतक) टैगिंग कराने में भी सरकार मदद करेगी। ओडीओपी योजना के तहत सरकार ने 77 पारंपरिक उत्पादों को जीआइ टैग कराया है। इसके अलावा सरकार कारोबारियों को भारतीय पैकेजिंग संस्थान से उत्पादों की पैकिंग का प्रशिक्षण भी दिलाएगी। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खानपान से संबंधित मेलों में भी इन उत्पादों को प्रदर्शित करने में सरकार व्यापारियों की मदद करेगी। कारोबार को बढ़ाने के लिए व्यापारियों को ऋण पर 25 प्रतिशत छूट भी उपलब्ध कराई जाएगी।

**दुनिया की जुबां पर चढ़ेगा कानपुर के लड्डू का स्वाद:** यूनेस्को ने हाल ही में लखनऊ को क्रिएटिव सिटी आफ गैस्ट्रोनामी (रचनात्मक पाक कला का शहर) का दर्जा दिया है। ओडीओसी योजना का शुभारंभ होने के बाद लखनऊ का स्वाद दुनिया की जुबां पर चढ़ेगा। ओडीओसी की सूची में लखनऊ की रेवड़ी, मक्खन मलाई व आम के उत्पादों को शामिल किया गया है। इसके अलावा वाराणसी की तिरंगा बर्फी व मलाई मिठाई, बलिया का सत्तू, आगरा का पेठा, मथुरा की माखन मिश्री, बाराबंकी की चंद्रकला, फर्रुखाबाद की दालमोठ, शाहजहांपुर की लौंग बर्फी, सिद्धार्थनगर का मखाना, गोरखपुर का लिट्टी-चोखा, कानपुर का लड्डू, मेरठ की रेवड़ी और गजक व बुलंदशहर की खुरचन सहित अन्य जिलों के प्रसिद्ध व्यंजनों को सूची में शामिल किया गया है।